
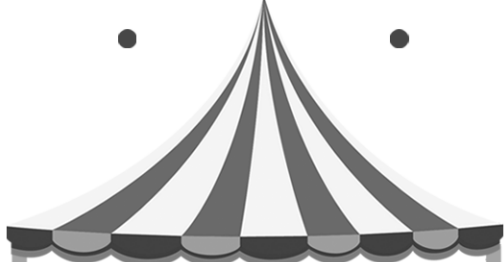




नीतिवचन 30:5  
“परमेश्वर की प्रत्येक प्रतिज्ञा  
कसौटी-सिद्ध है।  
जो मनुष्य परमेश्वर की शरण में आते हैं,  
वह उनकी रक्षा ढाल जैसे करता है।”



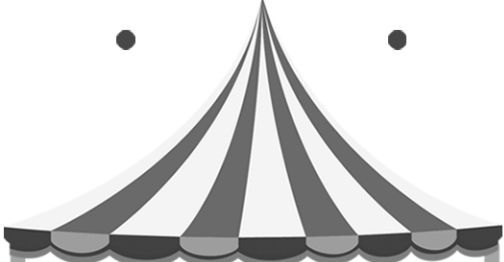

Equip & Grow  
बच्चे महत्वपूर्ण हैं




नीतिवचन 30:5  
“परमेश्वर की प्रत्येक प्रतिज्ञा  
कसौटी-सिद्ध है।  
जो मनुष्य परमेश्वर की शरण में आते हैं,  
वह उनकी रक्षा ढाल जैसे करता है।”



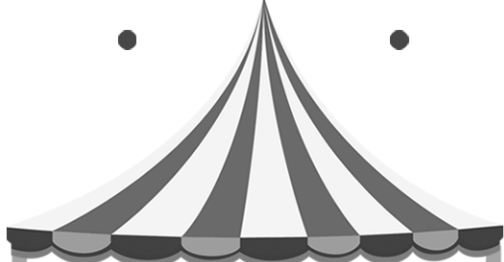

Equip & Grow  
बच्चे महत्वपूर्ण हैं




नीतिवचन 30:5  
“परमेश्वर की प्रत्येक प्रतिज्ञा  
कसौटी-सिद्ध है।  
जो मनुष्य परमेश्वर की शरण में आते हैं,  
वह उनकी रक्षा ढाल जैसे करता है।”



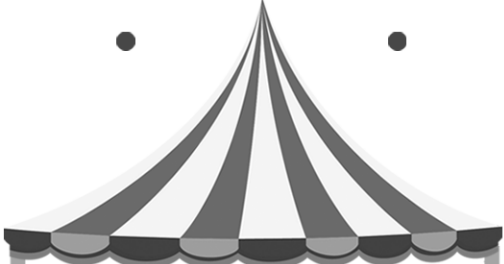

Equip & Grow  
बच्चे महत्वपूर्ण हैं




नीतिवचन 30:5  
“परमेश्वर की प्रत्येक प्रतिज्ञा  
कसौटी-सिद्ध है।  
जो मनुष्य परमेश्वर की शरण में आते हैं,  
वह उनकी रक्षा ढाल जैसे करता है।”



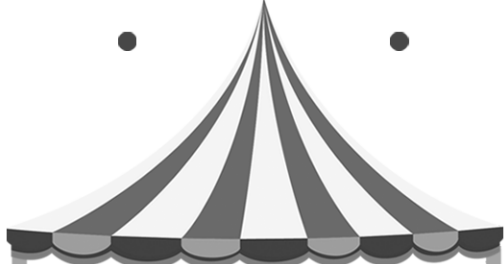

Equip & Grow  
बच्चे महत्वपूर्ण हैं




नीतिवचन 30:5  
“परमेश्वर की प्रत्येक प्रतिज्ञा  
कसौटी-सिद्ध है।  
जो मनुष्य परमेश्वर की शरण में आते हैं,  
वह उनकी रक्षा ढाल जैसे करता है।”




Equip & Grow  
बच्चे महत्वपूर्ण हैं



नीतिवचन 30:5  
“परमेश्वर की प्रत्येक प्रतिज्ञा  
कसौटी-सिद्ध है।  
जो मनुष्य परमेश्वर की शरण में आते हैं,  
वह उनकी रक्षा ढाल जैसे करता है।”



Equip & Grow  
बच्चे महत्वपूर्ण हैं



Equip & Grow  
बच्चे महत्त्वपूर्ण हैं



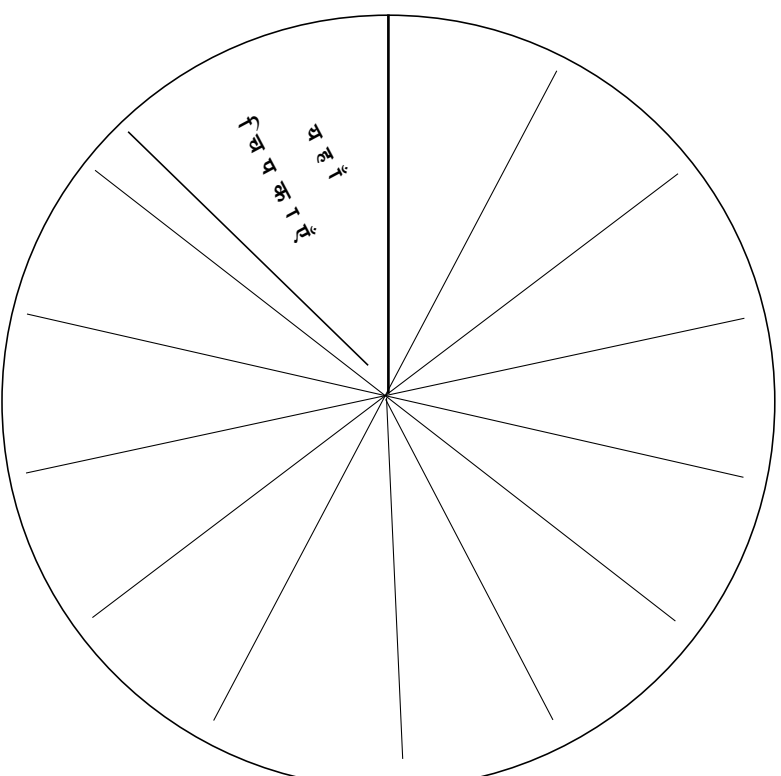
आज आप परमेश्वर को क्या देंगे?

कोई चित्र बनाएं और उसमें शांति भरें

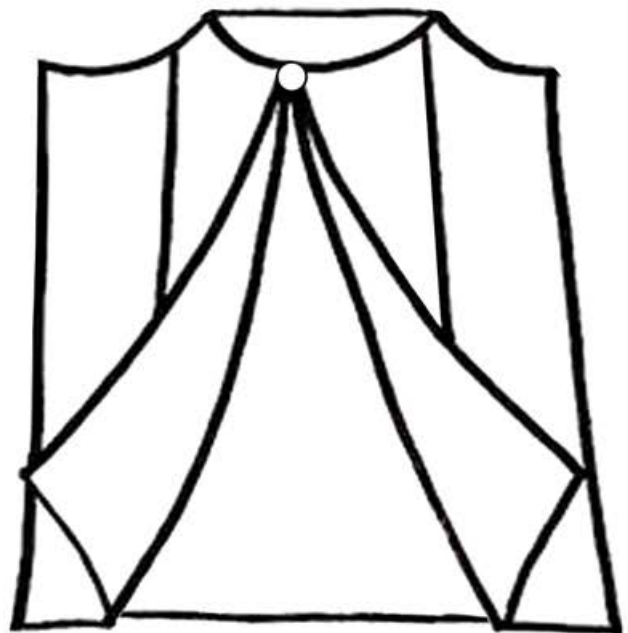
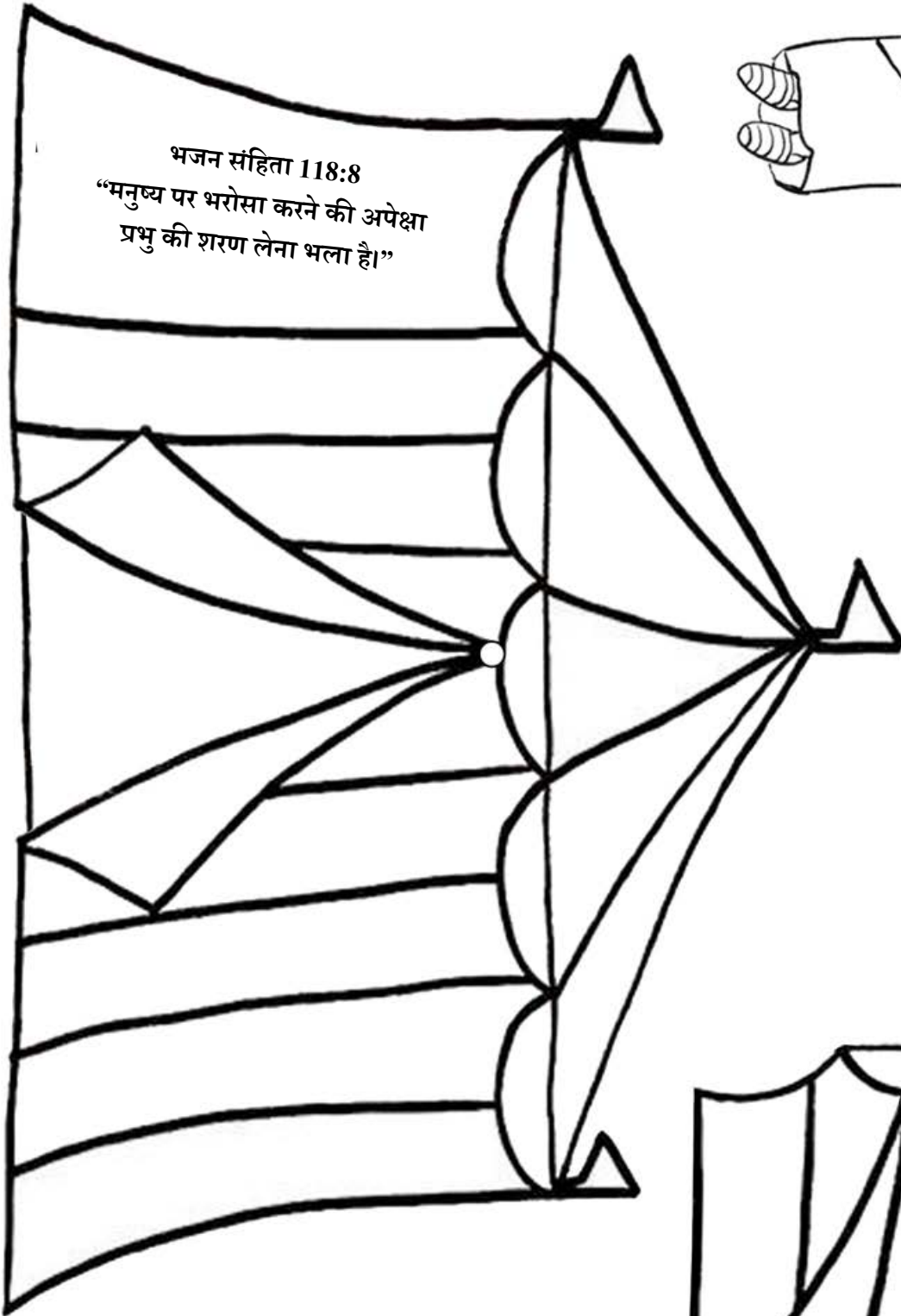
“मैं तुझ से प्रेम करता हूँ।  
तू मेरी दृष्टि में अनमोल और सम्मानित  
हूँ, अतः मैं तुझे छुड़ाने के लिए तेरे  
बदले में अन्य जातियों को देता हूँ। तेरे  
प्राण को बचाने के लिए दूसरी कौमों को  
देता हूँ।”

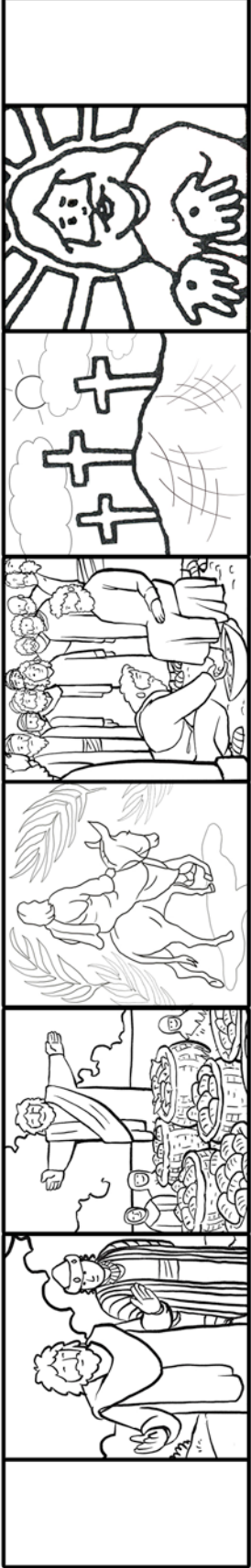
यशायाह 43:4b

शं च प का टू



भजन संहिता 118:8  
“मनुष्य पर भरोसा करने की अपेक्षा  
प्रभु की शरण लेना भला है।”





योहन् 15:13

“इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिए अपने प्राण अर्पित कर दे।”

